Fourteenth Loksabha

Session : 7
Date : 18-03-2006
Participants : Mishra Dr. Rajesh Kumar

an>

Title : Regarding the problems being faced by the buyers of N.S.Cs due to a ban on payment of N.S.Cs by the Teliabag Post Office in Varanasi and alleged embezzlement of crores of rupees by the officers of the said Post Office in Varanasi, Uttar Pradesh.

डॉ. राजेश मिश्रा (वाराणसी) : अध्यक्ष महोदय, मुझे आने में थोड़ा विलम्ब हो गया। इसके लिए मैं क्षमा प्रार्थी हूं।

महोदय, उत्तर प्रदेश के वाराणसी शहर में तिलियाबाग मोहल्ले में एक डाकघर है। पिछले चार वर्ों से उस डाकघर में स्थानीय आम लोगों ने बचतपत्रों के माध्यम से तमाम सारे पैसे जमा कराए। उस डाकघर के अधिकारियों ने उन बचत पत्रों की रसीद तो उपभोक्ताओं को दी, लेकिन वे पैसे डाकघर में जमा नहीं कराए गए। इस कारण बाद में एक सी.बी.आई. इन्क्वायरी बैठी। उस इन्क्वायरी की जांच से यह प्रकाश में आया कि पिछले चार-पांच सालों में स्थानीय आम जनता ने उक्त डाकघर में लगभग 12-13 करोड़ जमा कराए जिनका घोटाला, डाकघर के अधिकारियों ने किया। परिणाम यह हुआ कि पिछले चार-पांच सालों में जिन्होंने बचतपत्रों के माध्यम से पैसे जमा कराए, उन्हें पैसे नहीं मिल रहे हैं जिससे वे अपने बच्चों की पढ़ाई नहीं करवा पा रहे हैं, अपनी लड़कियों की शादी नहीं कर पा रहे हैं। उन्हें पांच-छः साल हो गए हैं। उनके पैसे फंसे हुए cé[rpm81]।

इसमें करीब एक हजार की संख्या होगी और करीब 4-5 साल से 8-10 करोड़ रुपये फंसे हुए हैं। हमारा सरकार से आपके माध्यम से यह अनुरोध है कि सी.बी.आई. इन्क्वायरी इस पर हुई है कि किन अधिकारियों ने ये घपले किये हैं और कितने का घपला है। लेकिन उसमें उपभोक्ताओं का कोई दोा नहीं है, इसलिए उपभोक्ताओं को इस बात की इजाजत मिलनी चाहिए कि वे अपना पैसा डाकघर से ले सकें और वे अपना नित्यप्रति का कार्य कर सकें, अपने बच्चों को पढ़ा सकें, अपनी लड़कियों की शादी कर सकें और जरूरत पड़ने पर अपने मां-बाप की दवा और उनका इलाज करा सकें। यह हमारा आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध है।